

मि. 3000  
 23-12-72  
 मनीषा (प्रा. क. वि. वि. का)  
 का का बाराप (अधीर सी) का  
 इन्डियन स्टूडेंट्स एक्ट 1938 के अनुसार  
 23-12-72

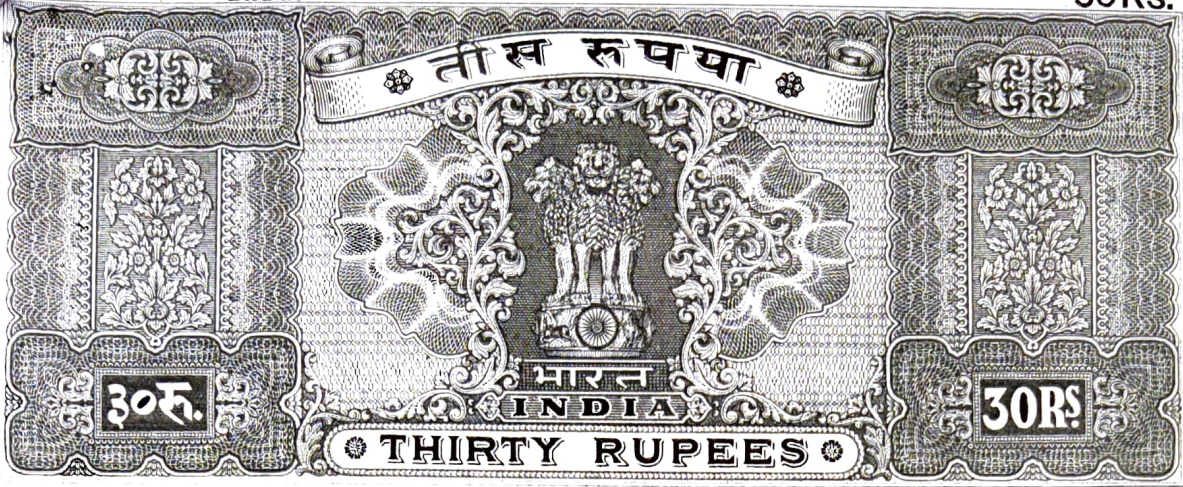
4/10/2011  
 1/1/2022  
 12/4/30  
 68.55  
 62.55

सहायक निदेशक (आ. क. वि. वि.) का कार्यालय  
 का का बाराप (अधीर सी) का  
 इन्डियन स्टूडेंट्स एक्ट 1938 के अनुसार  
 23-12-72

1. लीटरचारी - श्रीमती गणेशदेवी देवी जौनपुरी रानी खरीशंकरराम जीवित ज्ञात पण्डित व्यवसाय रहहस्ती निवास गांव बौद्ध बाजार सिमडेगा जिला राँची (बि.के.रा.)।
2. लीटरचारी - श्रीमती राजकमली देवी जौनपुरी सुरेश प्रसाद जीवित ज्ञात विवाहित श्रुती व्यवसाय रहहस्ती निवास गांव मल्लडेगा बाजार सिमडेगा जिला राँची (बि.के.रा.)।
3. लीटरचारी - श्री प्रमोद चन्द्र (देवाला बंला कुलकर्णी) जीवित ज्ञात पण्डित व्यवसाय रहहस्ती निवास गांव बौद्ध बाजार सिमडेगा जिला राँची (बि.के.रा.)।
4. लीटरचारी - श्रीमती राजकमली देवी जौनपुरी सुरेश प्रसाद जीवित ज्ञात विवाहित श्रुती व्यवसाय रहहस्ती निवास गांव मल्लडेगा बाजार सिमडेगा जिला राँची (बि.के.रा.)।
5. लीटरचारी - श्रीमती राजकमली देवी जौनपुरी सुरेश प्रसाद जीवित ज्ञात विवाहित श्रुती व्यवसाय रहहस्ती निवास गांव मल्लडेगा बाजार सिमडेगा जिला राँची (बि.के.रा.)।



23/12/72  
 मनीषा  
 का का बाराप (अधीर सी) का  
 इन्डियन स्टूडेंट्स एक्ट 1938 के अनुसार  
 23-12-72



नं. १९९८८ नं. ८०१२२६०४ वीसमहा लक्षियत सायमा  
 रयती जमीन सिद्ध का पूरा बिबरमा नीचे दिया  
 गया है।

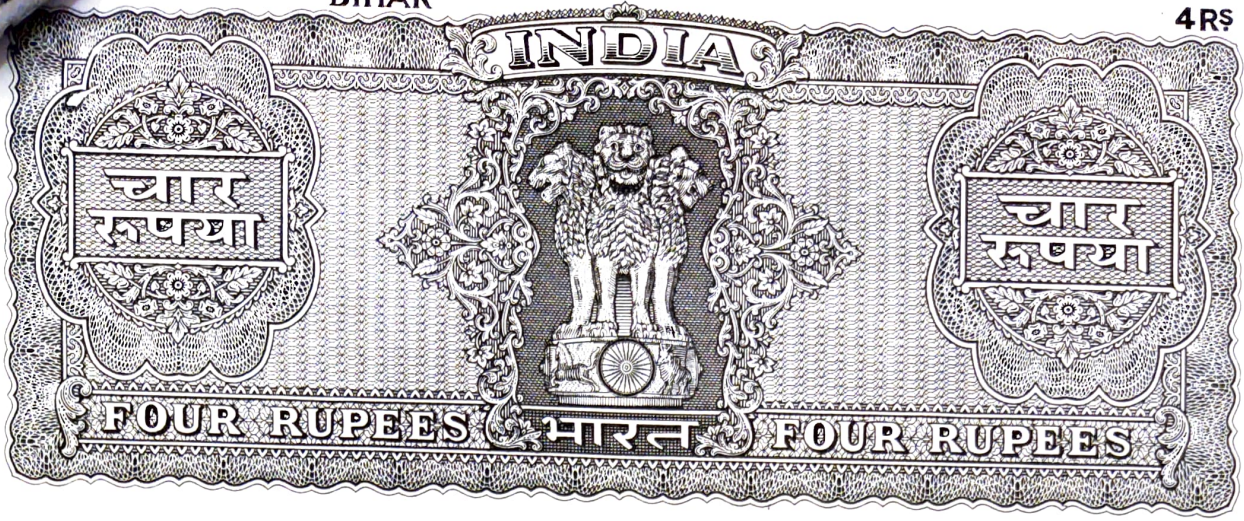
१. मुझे देखा बेल खरीदने जाते थे चर का  
 दौंगर खर्च जाते रुपया का बहुत भारी है  
 और बिना जमीन कीकी के मिला रुपया  
 मिलास करीब है देने उपयुक्त बोरवपारी  
 शीमती राजकी देवी से मेरी जमीन खरीदने  
 की शर्तका से और उस ने मेना खीमर सी  
 २. इस लिये मैंने अपनी रक्षा से शरीर  
 और मन की स्वस्थता में धर खाना  
 न. ३ में बसित जमीन उपयुक्त बोरवपारी  
 शीमती राजकी देवी से दान सोरहा  
 ३०००) रुपया मुक्त नगद सुरता पाकर  
 लिया और इस जमीन का सब अधिकार  
 का उक्त शीमती राजकी देवी से  
 हस्तान्तरित कर दिया। अब से इस जमीन  
 पर न मेरा कोई अधिकार रहेगा और

वकीलजी श्री गणेश शर्मा के साथ मिल कर लिखे।  
 नं. ३-१२-६२  
 गिरीश चंद्र शर्मा



जी. एन. ए. (मैना) जी. ए. ए. ए.  
 ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए. ए.  
 नं. ३-१२-६२



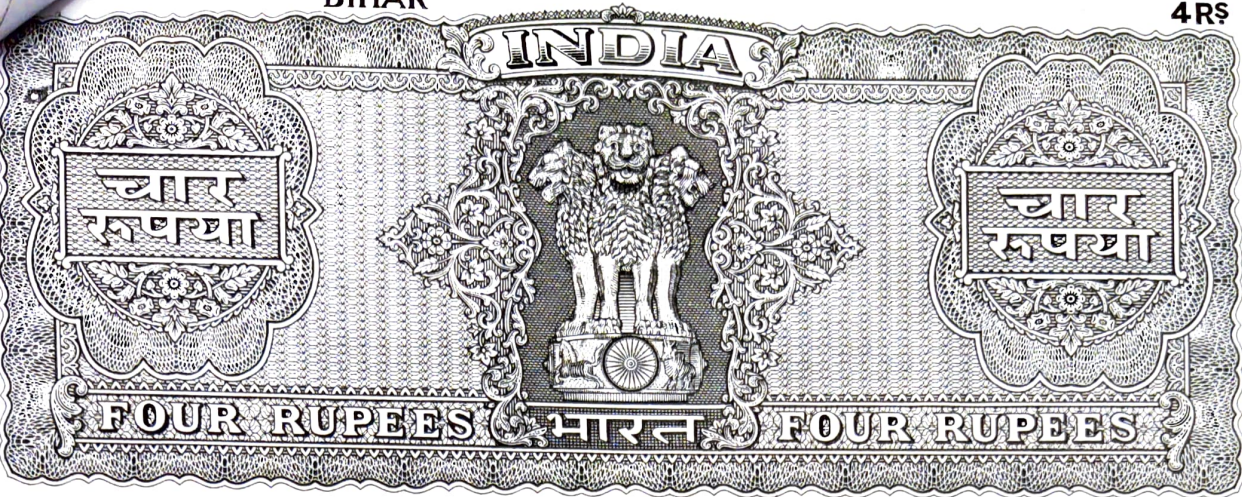


जिला : श्री राजसी देवी पोस्ट रानी सुरेश प्रसाद साह  
 सतउगा याता सिमडेगा जिला राँची का है कि  
 अन्तरीत की जान वाली सम्पत्ती काय चारित सम्पत्ती  
 अधिक सम्पत्ती सीमा से अधिक नहीं होगी। कतिब  
 मोरिस बिलुंगा राईद सिमडेगा। ता. २३-१२-६४

श्री राजसी देवी  
 २३.१२.६४

जिला राजसी देवी जिला राँची सुरेश प्रसाद साह  
 पोस्टचाक में श्री मनमोहि टाटे पिता का नाम जसरीया  
 टाटे साह सतउगा याता सिमडेगा जिला राँची) के  
 पत्न्यात की उष ने मेरे सामने हस्तक्षेप की है  
 कि उपर से वयान उस के जसकारी और विरुद्ध  
 के प्रत्य है। कतिब मोरिस बिलुंगा राईद सिमडेगा  
 ता. २३-१२-६४

*Om*  
 मनमोहि टाटे  
 ग्राम सतउगा  
 तारीख २३-१२-१९६४



बिहार में गदारी देवी जीजी रवीशंकरराम साहू जीका कान  
 मुखिया जिला राँची का प्रमाणित करती है कि जो  
 संपत्ति का अंतरण कर रही है वह संपत्ति विनिर्दिष्ट  
 अधिकारों को अधिक नहीं होगी। काठिक  
 मोरिल बिलुंग राहिए सिधडेगा / ता. २३-१२-७३



बिहार गदारी देवी जीजी रवीशंकरराम साहू  
 का प्रमाणित करती है कि जो संपत्ति विनिर्दिष्ट  
 अधिकारों को अधिक नहीं होगी। काठिक  
 मोरिल बिलुंग राहिए सिधडेगा / ता. २३-१२-७३

मममसीह देवी  
 ग्राम सखडेगा  
 ता. २३-१२-७३

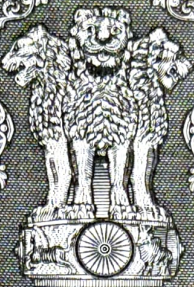
BIHAR

7RS

INDIA

सप्त  
रुपया

सप्त  
रुपया



SEVEN RUPEES

भारत

SEVEN RUPEES

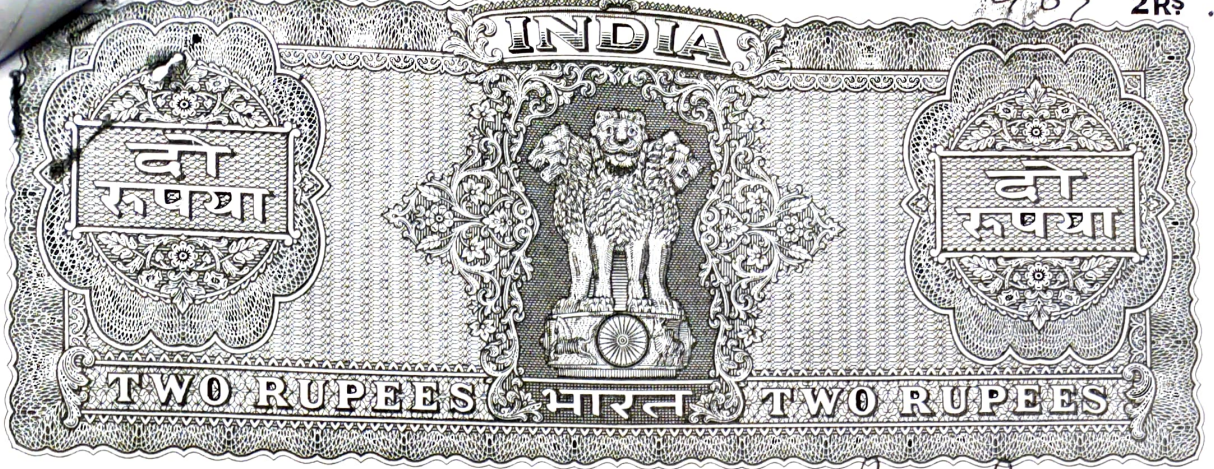
लिया भारत प्रीति विद्या लखनऊ प्रीति प्रीति प्रीति

आज नगर लखनऊ प्रीति प्रीति प्रीति प्रीति प्रीति

पण्डित प्रीति / आज नगर २३-१२-१९५१ प्रीति प्रीति

सप्त रुपया प्रीति प्रीति प्रीति प्रीति प्रीति  
२३-१२-५१  
प्रि प्रि प्रि प्रि प्रि





निजी डुकाना 12 पारत  
900  
25/9/53

विशेष नियम २१ के अधीन (श्री ३ कोटा नागपुर  
डिप्टी ऐक्ट की धारा ६ के अधीन भी) प्राब  
है और इन्डियन स्टाम्प ऐक्ट १९६६ की अनुसूचि  
१ या १ए संख्या २७ के अधीन के अन्तर्गत टिकट  
कामया है अथवा टिकट वर्गों से जुड़ा है  
या टिकट टुकड़ों पर पोस्ट नहीं है।  
२०१६-१७-१६३ टिकट नंबर प्रमाणित

की कपडूमी  
₹ 9.50  
₹ 2.00  
3.50  
9.00  
9.50  
2.50

Tilak Chand Singh  
16/9/53

१. लेखक श्री विश्वेश्वर प्रसाद मिश्र के राजा वीरू पिता का नाम खेन  
का नाम विश्वेश्वर प्रसाद मिश्र है व विश्वेश्वर प्रसाद मिश्र तथा अन्य  
जनसंघ के सदस्य के रूप में वीरू वरु पुत्राना वीरू आता  
सिमडेगा जिले रांची

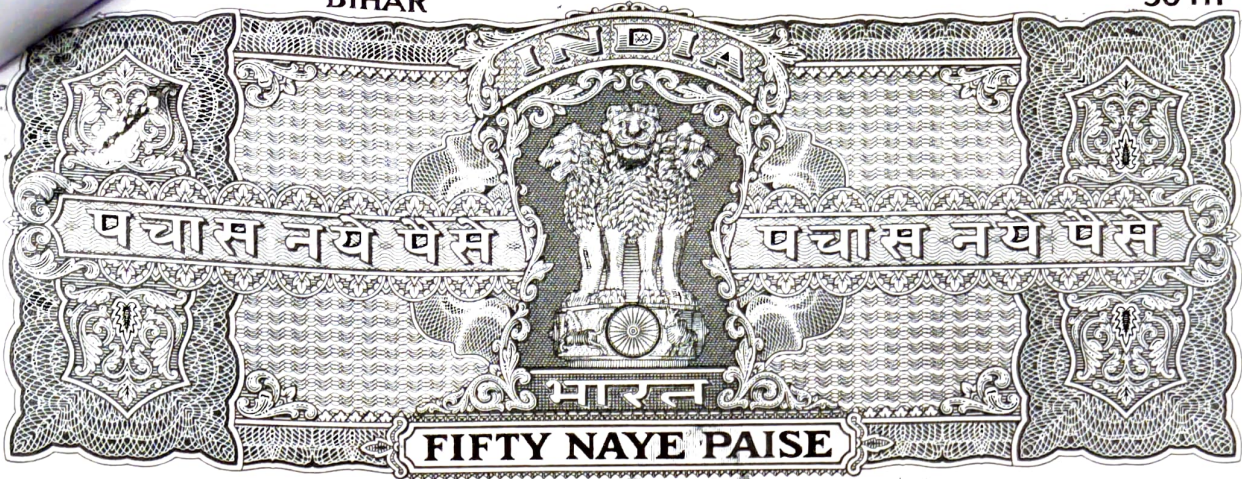
२. लेखक श्री श्री मति बांदोरी की पति का नाम श्री विरोचर  
का नाम बांति यादव है अथवा विश्वेश्वर प्रसाद के निवास स्थान  
वीरू पुत्राना वीरू आता सिमडेगा जिले रांची।

३. लेखक पुत्र श्री कृष्ण प्रसाद केवाला का नाम श्री कृष्ण विजय है।

४. प्रत्येक श्री कृष्ण प्रसाद केवाला का प्रमाण ₹ १०० का प्रमाण मा  
पत्रास कपडे होते हैं।

५. सम्प्रति - श्री कृष्ण प्रसाद केवाला के ₹ १०० के प्रमाण के अभाव में  
१. ₹ १०० का प्रमाण ₹ १०० के प्रमाण के अभाव में दिया जाता है।  
२. चूंकि लेखक श्री श्री कृष्ण प्रसाद केवाला से परिचित हैं कि  
उन्हें कुछ जमीन नाम पर मौजे सलडेगा आता सिमडेगा  
में ₹ १०० और मुक्त लेखक श्री श्री कृष्ण प्रसाद केवाला से परिचित हैं कि  
सलडेगा में ₹ १०० इस लिये मैंने इस परिचित को जमीन  
₹ १०० का प्रमाण देना मंजूर किया।  
३. इस लिये मैंने उक्त लेखक श्री श्री कृष्ण प्रसाद केवाला को ₹ १०० का प्रमाण

गो. रामचन्द्र प्रसाद शर्मा सिमडेगा  
चाक सिमडेगा ना. १६-२-६३.



युक्तता पाकर परिचित की जाती है... अपनों कर...  
 अपनी का तुल्य हम हस्त... अपने बन्धु  
 से अरार कोर मन की... जिद्वेपदा मित्र  
 देता... नही रहा।  
 ३. में अतिज्ञा कर रहा है... मेरा ठक  
 दरबल... का मग नही  
 देवानी... उरका उरका उरका उरका

Tilak... 167910

... प्रमाण रहे।  
 ... का...  
 ... ११६ ... २ ...  
 ... ६०१ ... १० ...  
 ... १०६ ... ३४ ...  
 ... ६१ ... ४३ ...  
 ... १६ - ४३

जो- धनु... २५...  
 हा. जो. वि... २-६३